



ॐ गुत्तु आह्वा ॥ ॐ वक्र कथा त्रयिष्टुके
दाह सखः तमहासख त्रकथा प्रगलिह ॥
धन ॥ मातस्या कपुय मन् ॥ ॥
गुत्तु आह्वा ॐ लादि न्या यन्त्रि त्वा हाह
दन ॥ धन ॥ मिषा मूत वव यावुय ॥
ॐ गुत्तु आह्वा ॥ नित कं थ मा हा नै ड हं

स्वाहा॥ क्षत्र १ त्रय उच्यते पा नोन केः का
थुस्या कया॥ ३ ॥ ॐ गु तु त्रा ह्रा ॐ
समं त्र सम स्य स्वाहा॥ क्षत्र १ त्रय त्रया त्र
पु य म्मा डा व व या पु य ॥ ॥ ॐ सँ सँ सँ
सँ सँ सँ सँ सँ स्वाहा॥ क्षत्र १ त्रि ० स्य स्वा
क गु द्या ल त्र य त्रा य ॥ ५ ॥ ॥

ॐ गु तु त्रा ह्रा ॥ ॐ ह क् क ह क् क ह क् क
न स्वाहा॥ क्षत्र १००८ सा पा वि क का य म न् ॥
ॐ गु तु त्रा ह्रा ॥ ॐ न हि न ड न क न स्वाहा
॥ क्षत्र १ यथा य स्वा क या पु य म न् ॥ १ ॥
ॐ रा ना मा ता त्र त्र न स्वाहा॥ क्षत्र ५ म्मा
स्या क पु य म न् ॥ ६ ॥ ॥

ॐ सिद्धिं गुरु आद्या विस्तारसि यद्गुरुन
स्वाहा ॥ ध्यानं हि त्रिभुवनम् ॥ ८ ॥
ॐ गुरु आद्या विष्टिं दूरे दूरे न स्वाहा
हि त्रिभुवनम् ॥ ध्यानं ॥ १० ॥
ॐ नमो गुरु कृष्णदेस ॐ वस्त्रा ॥ ॐ नमो
लद ॥ ॐ सिद्धि ॥ ॐ कालि ॥ ॐ चंद्रि ॥ ॐ

नवनाग ॥ ॐ नाग कन्या ॥ ॐ सिद्धि पाकेन
भानभानभा ॥ ध्यानं ३ तं स्व ऊपलया वलन क
भव नमस्तु यायमस्तु ॥ ११ ॥
गुरु आद्या ॥ हान वा दूः वान वा दूः आप
ने कायाः अस्वापिथिनि वा दूः नाहा नापु
काः ॐ स्वलिमाहा देवकिः हा हेः हा देः

गवलिपालवनिःसिद्यत्रिष्टिपाहूंकन
॥ गुसदेनःऊनिवसःगयिचिष्टि॥ अयत्र
प॥ अत्र० धुयाःकिष्टियाःनागयाःहयम
इःचुयाहयमइ॥ १२ ॥ गुत्रुत्राह॥ माग
माअमागकाहमागहूंकन॥ अत्र० चाक
मापुयमनु॥ १३ ॥ ~~अत्र०~~

ॐ ईहूगुगुस्वाहा॥ अत्र० अस्याकपु
यमनु॥ १४ ॥ गुत्रुत्राहःनिलकथःसमु
कथःविषहनावहूँ॥ अत्र० मिनपुक
मापुय॥ १५ ॥ ॥ ॐ नमस्तुगव
निःगुह्यसति केसिद्धिःहैतविः
शामु॥ अःचुचुहहःहनहनःडि

हन्तह ३ अन्त ३ सुपन अगुति ०
हान् को ३३ अन्ता व ३३ ससस्वक
ययः ता अय ॥ ॥ १४ ॥

आशा अर्जुन

662

ASHA ARJUNES

ॐ साल सालः महि सलिसालमाः रुनि
यस्माहा ॥ धमुन ॥ धात्र न त्रषडपलपा
डाह न के ॥ साल ययमु ॥
ॐ यस्माहा नः देव सपाक्कः चित्त त्रस्य
पिस्व ग सत ना ध्वन्नासिधि देहि मस्माहा
त्रषडप तपा व मुत्रहा च के मुः यमु ॥ ॥

डाय चाया ॥ पिक्क तिः न वाः साषन ॥ क लि
न वाजा डा न के ॥ ॥ त्रक त्रनि सात्रया
वात्र चेतया युः वा स क नयाहाः निस्स नीन
के ॥ ॥ भात्रस्या कया ॥ कया चिनि न
के ॥ ॥ हि न जा वय नस्या कया ॥ क चया
त्र शिल सः ॐ न्ड डालः चाल सइ इ सवा

गोशिन के ॥ ॥ आवने यक डि

इदने मूनि स्यः धन सदा य का वन

के ॥ ॥ न व क चि या ॥ धा न ही या के

इ क स न शि म न वा भा न सि या केः क

थ व नः उ न मा सः थ न नि या शि या य ॥ ॥

क या स्या क या ॥ क या चि नि न के ॥ ॥

पे न स्या क या ॥ न सि या हाः प्रं व स च न न के

आ ड लि क शि या ॥ गु ड गुः दाय का शि न के

दि या द शि या ॥ नि का गु वि या हाः च न व । द्रा

स स थ न ॥

१ॐ श्री गुरु आर्या ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
हा ॥ धामनयकसि नदुखवित्तनाथः
श्रीकृष्णपदावली ॥ गानानवा नमदु
कृष्णः स्वामी मधुसूदन ॥ ॥ ॐ सिद्धा
लीला आर्या ॥ स्वयं चाना कथाः किं क
नमस्तु यादावय ॥
ॐ गाने सुवर्जि किं दुः ॥ गाना चानसा

भवन्मदुखवियमदुःखमयदलयाव
न ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ चत
स्रं वलवदना ॐः शानधुपजा ॐः ॐ च
लगुसा ॐः ॐ मेत आ ॐः ॐ चतगुसा
ॐः वागनेषा ॐ ॥ धामन वा चाने अस
हयमदयकेः गहन गवत गोहा राः सध

धृग्वत्तनयः ज्वल इत्यथ सं नयः धृया

धृया नृहय मद्रुह ना ॥ ॥

ॐ स्वा मि स प्र ग तु लु उ ग मु षा न णा
ज्वल केः णा ता म के आ हा रु २ २ २

ॐ

॥ धृ त त सि ध त इ य ल ० व्या य मि मा य न
म का या इ थ म न ति यः स्वा ल के नेः मि
सा थ इ क इ ॐ ॐ हा ता म ताल इ नि स्वा

हा ॥ ॐ म ४ स्मा त्या क पु य म ॐ का म न
न स्य हा रु क त स्वा हा ॥ म त त वि ह ति इ य
ल पा इ मि सा या स्मा स हो ले ॥ मि सा पि का
या ॥

